06/11/2025 अखिल भारतीय

प्रेस विज्ञप्ति 6 नवंबर , 2025

एनएसई कोड:- एलआईसीआई बीएसई कोड:- 543526

सितंबर 2025 को समाप्त अर्ध वर्ष के लिए प्रदर्शन अपडेट (प्रथम अर्धवार्षिक - वित्त वर्ष 2026)

- **कर-पश्चात लाभ 16.36% बढ़कर 21,040 करोड़ रुपये हो गया।**
- **कुल प्रीमियम आय 5.14% बढ़कर 2,45,680 करोड़ रुपये हो गई।**
- **व्यक्तिगत व्यवसाय असहभागी (नॉन पार) एपीई 30.47% बढ़कर 6,234 करोड़ रुपये हो गया।**
- **व्यक्तिगत व्यवसाय में असहभागी (नॉन पार) एपीई का हिस्सा वित्त वर्ष 26 की छमाही में 36.31% रहा, जबकि वित्त वर्ष 25 की छमाही में यह 26.31% था।**
- **समूह व्यवसाय एपीई 20.30% बढ़कर 11,864 करोड़ रुपये हो गया।**
- **समग्र एपीई 3.60% बढ़कर 29,034 करोड़ रुपये हो गया।**
- **नव व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 12.30% बढ़कर 5,111 करोड़ रुपये हो गया।**
- **वीएनबी मार्जिन (नेट) 140 बीपीएस की वृद्धि के साथ 17.60% हो गया।**
- **समग्र व्यय अनुपात वित्त वर्ष 2026 की पहली छमाही के लिए 146 बीपीएस की कमी के साथ वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही के 12.74% से घटकर 11.28% हो गया।**
- **एयूएम 3.31% बढ़कर 57.23 लाख करोड़ रुपये हो गया।**
- **सॉल्वेंसी अनुपात 1.98 से बढ़कर 2.13 हो गया।**

मुंबई, 6 नवंबर , 2025: भारतीय जीवन बीमा निगम ("एलआईसी") के निदेशक मंडल ने 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही के लिए एकल और समेकित वित्तीय परिणामों को स्वीकृति प्रदान की एवं उन्हें अनुमोदित किया। नीचे हमारे एकल परिणामों के मुख्य अंश दिए गए हैं।

30 सितंबर , 2025 को समाप्त छमाही के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) 21,040 करोड़ रुपये था, जबकि 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छमाही के लिए यह 18,082 करोड़ रुपये था, जो 16.36 % की वृद्धि दर्शाता है।

प्रथम वर्ष की प्रीमियम आय (एफवाईपीआई) (आईआरडीएआई के अनुसार) के आधार पर मापी गई बाजार हिस्सेदारी के संदर्भ में, एलआईसी 30 सितंबर 2025 को समाप्त छमाही के लिए 59.41% की समग्र बाजार हिस्सेदारी के साथ भारतीय जीवन बीमा व्यवसाय में बाजार अग्रणी बनी हुई है, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छमाही के लिए यह 61.07% थी। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छमाही के लिए, एलआईसी की व्यक्तिगत व्यवसाय में 37.21% और समूह व्यवसाय में 72.74% बाजार हिस्सेदारी थी।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए कुल प्रीमियम आय 2,45,680 करोड़ रुपये थी, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 2,33,671 करोड़ रुपये थी, जो 5.14% की वृद्धि दर्शाती है।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए व्यक्तिगत नव व्यवसाय प्रीमियम आय रु. 28,491 करोड़ थी, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह रु. 29,538 करोड़ थी, यानी 3.54% की गिरावट दर्ज की गई. 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए व्यक्तिगत नवीनीकरण प्रीमियम आय रु. 1,22,224 करोड़ थी, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह रु. 1,15,158 करोड़ थी, यानी 6.14% की वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने

की अवधि के लिए कुल व्यक्तिगत व्यवसाय प्रीमियम पिछले वर्ष की तुलनीय अवधि के लिए रु. 1,44,696 करोड़ से बढ़कर रु. 1,50,715 करोड़ हो गया, यानी 4.16% की वृद्धि दर्ज की गई। 30 सितंबर 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए समूह व्यवसाय की कुल प्रीमियम आय 94,965 करोड़ रुपये थी, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 88,975 करोड़ रुपये थी, जो 6.73% की वृद्धि दर्शाती है।

वार्षिक प्रीमियम समतुल्य (एपीई) के आधार पर, 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए कुल प्रीमियम 29,034 करोड़ रुपये था। इसमें से 59.14% (17,170 करोड़ रुपये) व्यक्तिगत व्यवसाय द्वारा और 40.86% (11,864 करोड़ रुपये) समूह व्यवसाय द्वारा प्राप्त हुए। व्यक्तिगत व्यवसाय के भीतर, एपीई आधार पर पार उत्पादों का हिस्सा 63.69% (10,936 करोड़ रुपये) था और शेष 36.31% (6,234 करोड़ रुपये) नॉन पार उत्पादों के कारण था। व्यक्तिगत नॉन पार एपीई 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए 4,778 करोड़ रुपये से बढ़कर 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए 6,234 करोड़ रुपये हो गया है, जो 30.47% की वृद्धि दर्शाता है। इसलिए एपीई आधार पर, 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए व्यक्तिगत व्यवसाय का हमारा नॉन पार हिस्सा 36.31% तक बढ़ गया है, जबकि 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 26.31% था।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के दौरान व्यक्तिगत रूप में कुल 72,60,573 पॉलिसियां बेची गईं, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के दौरान 91,70,420 पॉलिसियां बेची गईं, जिसमें 20.83% की कमी दर्ज की गई।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए नए व्यवसाय का मूल्य (वीएनबी) 5,111 करोड़ रुपये रहा, जबकि 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 4,551 करोड़ रुपये था, यानी 12.30% की वृद्धि। 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए शुद्ध वीएनबी मार्जिन 140 आधार अंकों की वृद्धि के साथ 17.6% हो गया, जबकि 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 16.2% था।

30 सितंबर, 2025 तक भारतीय अंतर्निहित मूल्य (आईईवी) 8,13,230 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि 30 सितंबर, 2024 तक यह 8,21,716 करोड़ रुपये था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 1.03% की कमी दर्शाता है।

30 सितम्बर, 2025 को सॉल्वेंसी अनुपात 30 सितम्बर, 2024 को 1.98 की तुलना में बढ़कर 2.13 हो गया।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए, 13वें महीने और 61वें महीने के लिए प्रीमियम के आधार पर दृढ़ता अनुपात क्रमशः 75.29% और 63.81% थे। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त इसी अवधि के लिए तुलनीय दृढ़ता अनुपात क्रमशः 77.62% और 61.46% थे।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए, 13वें महीने और 61वें महीने के लिए पॉलिसियों की संख्या के आधार पर दृढ़ता अनुपात क्रमशः 63.36% और 51.50% थे। 30 सितंबर, 2024 को समाप्त इसी अवधि के लिए तुलनीय दृढ़ता अनुपात क्रमशः 67.23% और 48.92% थे।

प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 30 सितंबर, 2025 तक बढ़कर 57,22,896 करोड़ रुपये हो गईं, जबकि 30 सितंबर, 2024 को यह 55,39,516 करोड़ रुपये थीं, जो वर्ष दर वर्ष 3.31% की वृद्धि दर्शाता है।

30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए समग्र व्यय अनुपात 146 बीपीएस घटकर 11.28% हो गया, जबकि 30 सितंबर 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 12.74% था।

अवास्तविक लाभ को छोड़कर पॉलिसीधारकों के फंड के निवेश पर प्रतिफल 30 सितंबर, 2025 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए 8.90% था, जबकि 30 सितंबर, 2024 को समाप्त छह महीने की अवधि के लिए यह 9.02% था।

एलआईसी के सीईओ एवं एमडी श्री आर दुरैस्वामि ने कहा: –

"हम एलआईसी में सितंबर 2025 के दौरान भारत सरकार द्वारा बीमा उद्योग के लिए घोषित जीएसटी परिवर्तनों

के सकारात्मक प्रभाव को लेकर बेहद आशावादी हैं। हमारा दृढ़ विश्वास है कि ये परिवर्तन ग्राहकों के सर्वोत्तम हित में हैं और भारत में जीवन बीमा उद्योग के विकास को और तेज़ करेंगे। एलआईसी के रूप में हमने यह सुनिश्चित किया है कि जीएसटी परिवर्तनों के सभी अपेक्षित लाभ ग्राहकों तक पहुँचें।"

इस वर्ष की पहली छमाही (वित्त वर्ष 2025-26) के दौरान व्यावसायिक दृष्टिकोण से, एलआईसी ने एक बार फिर उत्पाद और चैनल विविधीकरण दोनों से संबंधित अपनी रणनीति के सफल कार्यान्वयन का प्रदर्शन किया है, जिसे हम अपनी लिस्टिंग के बाद से अपना रहे हैं। वित्त वर्ष 2026 की प्रथम छमाही के लिए व्यक्तिगत व्यवसाय का नॉन पार एपीई हिस्सा पिछले वर्ष की इसी अवधि के 26.31% की तुलना में 36.31% है। व्यक्तिगत एनबीपी का बैंका और वैकल्पिक चैनलों का हिस्सा अब वित्त वर्ष 2026 की प्रथम छमाही के लिए 7.12 % है, जबकि पिछले वर्ष यह 4.10% था, जो 67.62% की वृद्धि दर्शाता है। इसके अलावा, जबकि हमने वित्त वर्ष 2026 की प्रथम छमाही में वीएनबी को 12.30% से बढ़ाकर रु. 5,111 करोड़ में देखा है, हमारा वीएनबी मार्जिन भी वित्त वर्ष 2026 की प्रथम छमाही में 140 बीपीएस से 17.6% तक बढ़ा है। जबकि हम विविध उत्पाद मिश्रण और चैनल मिश्रण के माध्यम से अपनी समग्र लाभप्रदता का विस्तार करते हैं, हम लागतों को अनुकूलित करने की दिशा में भी काम कर रहे हैं और H1 FY26 के लिए हमारा समग्र व्यय अनुपात 146 बीपीएस घटकर 11.28% हो गया है। भारत में जीवन बीमा उद्योग के अग्रणी के रूप में, हम बीमा की पहुँच और घनत्व दोनों को बढ़ाने की अपनी ज़िम्मेदारी से अवगत हैं और "2047 तक सभी के लिए बीमा" के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने प्रयासों और ऊर्जा को निरंतर केंद्रित करते रहेंगे। हम अपने सभी हितधारकों के निरंतर सहयोग के लिए आभारी हैं।

प्रमुख परिचालन एवं वित्तीय मीट्रिक्स:

क्रमांक	विवरण	30 सितंबर , 2024 को समाप्त छमाही (रु. में) करोड़)	30 सितंबर , 2025 को समाप्त छमाही (रु.) में करोड़)	साल दर साल विकास %
1	कर पश्चात लाभ (पीएटी)	18,082	21,040	16.36%
2	नव व्यवसाय प्रीमियम आय (व्यक्तिगत)	29,538	28,491	(3.54%)
3	नवीनीकरण प्रीमियम (व्यक्तिगत)	1,15,158	1,22,224	6.14%
4	कुल प्रीमियम (व्यक्तिगत)	1,44,696	1,50,715	4.16%
5	कुल समूह व्यवसाय प्रीमियम	88,975	94,965	6.73%
6	कुल प्रीमियम आय	2,33,671	2,45,680	5.14%
7	बेची गई पॉलिसियों की संख्या (व्यक्तिगत)	91,70,420	72,60,573	(20.83%)
8	भारतीय अंतर्निहित मूल्य	8,21,716	8,13,230	(1.03%)
9	नए व्यवसाय का मूल्य (नेट)	4,551	5,111	12.30%
10	वीएनबी मार्जिन (नेट)	16.2%	17.6%	140 बीपीएस की बढ़त
11	समग्र व्यय अनुपात	12.74%	11.28%	146 बीपीएस की कमी
12	सॉल्वेंसी अनुपात	1.98	2.13	
13	13 माह /61 माह स्थाईत्व(प्रीमियम आधार पर)	77.62% / 61.46%	75.29% / 63.81%	
14	13 माह /61 माह स्थाईत्व (पॉलिसियों की संख्या के आधार पर)	67.23% / 48.92%	63.36% / 51.50%	
15	व्यक्तिगत व्यवसाय एपीई	18,163	17,170	(5.47%)
16	समूह व्यवसाय एपीई	9,862	11,864	20.30%
17	कुल एपीई (व्यक्तिगत + समूह)	28,025	29,034	3.60%
18	व्यक्तिगत एपीई उत्पाद मिश्रण (%) (पार/नॉन पार लिंक्ड सहित)	73.69%/26.31%	63.69%/36.31%	

19	प्रबंधन के तहत संपत्ति	55,39,516	57,22,896	3.31%

टिप्पणी:-

वित्तीय स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया 30 सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही और छह महीनों के लिए समीक्षित स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों का विवरण और साथ में नोट्स देखें, जो स्टॉक एक्सचेंजों और निगम की वेबसाइटों पर अपलोड किए गए हैं।

दिनांक - 6 नवंबर को , 2025 मुंबई

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करना: कार्यकारी निदेशक (निगमित संप्रेषण)
एलआईसी का भारत, केंद्रीय कार्यालय, मुंबई।
ईमेल: ed_cc@licindia.com
www.licindia.in पर विजिट करें।

हमारा मानना है कि इस विज्ञप्ति में शामिल समाचार आपके पाठकों के लिए मूल्यवान हैं। हालाँकि हम आपको इसे जल्द से जल्द प्रकाशित करने के लिए धन्यवाद देना चाहेंगे, लेकिन हम यह भी स्वीकार करते हैं कि ऐसा करने का निर्णय पूरी तरह से आपका है।